झूठ

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- तमाम रिवायते हदीष के खुलासे है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{१} बुखारी; रावी हज़रत इबने उमर रदी; रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- की सब्से बडा झूठ ये है की आदमी अपनी दोनों आंखो को वो चीझ दिखाए जो उन दोनों आंखो ने नहीं देखी. यानी उसने ख्वाब तो कुछ भी ना देखा लेकिन जागने के बाद खूब अच्छी और दिलचस्प बातें बताता है, कहता है की ये मैने ख्वाब में देखा है, ऐसा करना गोया अपनी आंखो से झूठ बुलवाना है.

{२} मुअजम सगीर तिबरानी; रावी हज़रत असमा बिन्ते उमैस रदी; हम रसूलुल्लाहﷺ की एक दुल्हन को लेकर जब हम आपके घर पहुंचे तो आपﷺ दूध का एक प्याला निकाल कर लाए, फिर आपने अपनी चाहत के मुताबिक पिया और उस्के बाद अपनी बीवी को दिया, उन्होंने कहा मुझे ख्वाहिश नहीं है,

तो आपﷺ ने फरमाया- तुम भूक और झूठ को जमा ना करो, आपﷺ ने महसूस किया की भूक तो उन्हें लगी है लेकिन तकल्लुफ फरमा रही है, इसलिए आपने झूठे तकल्लुफ से मना फरमाया.

{३} अबू दाउद; रावी हज़रत सुफियान बिन असीद हज़रमी रदी; मैने रसूलुल्लाहﷺ को ये फरमाते हुवे सुना की ये बहुत ही बडी खयानत है की तुम अपने भाई से कोई बात कहो और वो तुम्हारी बात को सच समझे हालांकि तुमने जो बात उस्से कही वो झूठी थी.

{४} अबू दाउद; रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन आमिर रदी; एक दिन जबकि रसूलुल्लाहﷺ हमारे घर तशरीफ रखते थे, मेरी मां ने मुझे बुलाया यहां आ में तुझे एक चीझ दूंगी. तो आपﷺ ने पूछा की तुम उसे क्या देना चाहती हो? मां ने कहा, में उसे खजूर देना चाहती हूं आपﷺ ने मां से फरमाया- की अगर तू देने के लिए बुलाती और ना देती, तो तेरे आमाल नामे में ये झूठ लिख दिया जाता. मालूम हुआ की ये जो मां बाप

आम तौर से अपने बच्चों के साथ करते है की जो कुछ देने के बहाने बुलाते है, हालांकि देने का इरादा नहीं होता, तो ये अल्लाह के यहा झूठ माना जाएगा आमाल नामे में ये झूठ की फेहरिस्त में लिखा जाएगा.

{५} अल अदबुल मुफरद; रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसउद रदी; झूठ बोलना किसी हाल में जाइज़ नहीं ना तो संजीदगी के साथ और ना मज़ाक के तौर पर, और ये भी जाइज़ नहीं की तुम्मे से कोई अपने बच्चे से किसी चीझ के देने का वादा करे और फिर पूरा ना करे.

{६} तिर्मेजी; रावी हज़रत बहज़ बिन हकीम रदी; रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- की खराबी और नामुरादी है उस शख्स के लिए जो झूठी बातें इसलिए कहता है की लोगों को हंसाये, खराबी है उस्के लिए, खराबी है उस्के लिए. इस हदीस में उन लोगों को खबरदार किया गया है जो बाते करते हुवे कुछ झूठ मिला करके बात-चीत को चटपटी और मज़ेदार बनात है और उस्से मज़ा हासिल करते है.